

बीएचयू में तकनीकी कौशल की दी गई जानकारी 32

वाराणसी। बीएचयू में कर्मचारियों के लिए कार्यशाला में तकनीकी दक्षता से जुड़ी जानकारी दी गई। इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के निदेशक प्रो.आशीष बाजपेयी ने कहा कि विकास के लिए तकनीकी कौशल की जानकारी होना बहुत जरूरी है। इससे कार्यस्थल की गतिशीलता बेहतर होती है। अलग-अलग सत्र में प्रतिभागियों को शिष्टाचार, स्पष्ट उद्देश्य और प्रभावी संचार के महत्व को बताया गया। सहायक कुलसचिव राजकुमार सोनी ने पढ़ाई की आदत की परिवर्तनकारी शक्ति पर कहा कि पढ़ने वाले नेतृत्व करते हैं और नेतृत्व करने वाले पढ़ते हैं। ब्यूरो

फोटोग्राफी में विज्ञान संस्थान के शिवांश मणि त्रिपाठी ने जीता पहला पुरस्कार



बीएचयू के दृश्य कला संकाय में लगी फोटोग्राफी प्रदर्शनी में अतिथियों के साथ छात्र-छात्राएं।
स्रोत-विदि

वाराणसी। बीएचयू में राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में फोटोग्राफी प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें दृश्य कला, विज्ञान संस्थान समेत कई संकायों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। इसमें विज्ञान संस्थान के शिवांश मणि त्रिपाठी की फोटो ने पहला पुरस्कार जीता। बीएचयू के वेलबीईंग सर्विसेज सेल और आब्सक्युरा- द फोटोग्राफी आर्ट क्लब की ओर से दृश्य कला संकाय के अहिवासी कला वीथिका में प्रदर्शनी लगाई गई। मुख्य अतिथि पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान के निदेशक प्रो. एएस रघुवंशी, एसोसिएट डीन ऑफ स्टूडेंट्स डॉ. निशात अफरोज, और दृश्य कला संकाय प्रमुख डॉ. उत्तमा दीक्षित ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसमें विज्ञान संस्थान के शिवांश मणि त्रिपाठी को पहला, दृश्य कला संकाय के रितेश रॉयकवार को दूसरा, सामाजिक विज्ञान संकाय से कपिलदेव मुंडा को तीसरा स्थान मिला। क्लब के समन्वयक प्रो. मनीष अरोरा और कृष्णा सिंह निर्णायक रहे। प्रभाक्स बक्स रॉय और आस्था तिवारी ने सांत्वना पुरस्कार जीता। संचालन संदीप साहनी ने किया। कार्यक्रम में डॉ. महेश सिंह, सुरेश कुमार, डॉ. किरण गुप्ता, डॉ. जसमिन्दर कौर, डॉ. आशीष कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

फोटोग्राफी में विज्ञान संस्थान के शिवांश मणि ने जीता प्रथम पुरस्कार

वाराणसी। बीएचयू में राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में फोटोग्राफी प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें दृश्य कला, विज्ञान संस्थान समेत कई संकायों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

इसमें विज्ञान संस्थान के शिवांश मणि त्रिपाठी की फोटो ने पहला पुरस्कार जीता। बीएचयू के वेलबीईंग सर्विसेज सेल और आब्सक्युरा- द फोटोग्राफी आर्ट क्लब की ओर से दृश्य कला संकाय के अहिवासी कला वीथिका में प्रदर्शनी लगाई गई। मुख्य अतिथि पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान के निदेशक प्रो. एएस रघुवंशी, एसोसिएट डीन ऑफ स्टूडेंट्स डॉ. निशात अफरोज, और दृश्य कला

संकाय प्रमुख डॉ. उत्तमा दीक्षित ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसमें विज्ञान संस्थान के शिवांश मणि त्रिपाठी को पहला, दृश्य कला संकाय के रितेश रॉयकवार को दूसरा, सामाजिक विज्ञान संकाय से कपिलदेव मुंडा को तीसरा स्थान मिला। क्लब के समन्वयक प्रो. मनीष अरोरा और कृष्णा सिंह निर्णायक रहे। प्रभाक्स बक्स रॉय और आस्था तिवारी ने सांत्वना पुरस्कार जीता।

संचालन संदीप साहनी ने किया। कार्यक्रम में डॉ. महेश सिंह, सुरेश कुमार, डॉ. किरण गुप्ता, डॉ. जसमिन्दर कौर, डॉ. आशीष कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

बीएचयू में होगी पद्मश्री मोहम्मद शाहिद राष्ट्रीय हाकी प्रतियोगिता

फरवरी में होने वाली स्पर्धा के लिए तैयार नहीं लालपुर का मैदान

जागरण संवाददाता, वाराणसी : पद्मश्री मोहम्मद शाहिद राष्ट्रीय हाकी प्रतियोगिता का आयोजन बीएचयू में किया जाएगा। लालपुर स्थित हाकी मैदान में एस्ट्रोर्टफ का काम अभी तक पूरा नहीं होने के कारण यहां मैच नहीं कराए जा सकेंगे। प्रतियोगिता की तिथि में भी बदलाव किया जाएगा।

खेल विभाग की ओर से प्रतिवर्ष वाराणसी में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश की प्रमुख टीमों भाग लेती हैं। इस वर्ष इसका आयोजन चार फरवरी को होना तय किया गया था। इस वक्त में राष्ट्रीय खेल का आयोजन उत्तराखंड में किया जा रहा है। इसके चलते हाकी टीमों पद्मश्री मोहम्मद शाहिद राष्ट्रीय हाकी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकेंगी। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी विमला सिंह के अनुसार इसे देखते हुए प्रतियोगिता की तिथि में बदलाव किया जाएगा।



लालपुर स्टेडियम के हाकी मैदान में लगाने के लिए रखा गया एस्ट्रोर्टफ।

खेल विभाग की ओर से प्रतियोगिता के आयोजन की तिथि में होगा बदलाव, एस्ट्रोर्टफ मैदान की फिलहाल नहीं है व्यवस्था

इस संबंध में खेल निदेशक की मौजूदगी में गुरुवार को लखनऊ में बैठक हुई। प्रतिष्ठित हाकी प्रतियोगिता

के मुकाबले एस्ट्रोर्टफ पर ही होते हैं। लालपुर स्थित डा. भीमराव आंबेडकर क्रीड़ा संकुल के हाकी मैदान पर ही आयोजन किया जाता रहा। वहां लगे एस्ट्रोर्टफ की निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद उसे हटा दिया गया है। उसके स्थान पर नीले रंग का नया टर्फ लगाया जा रहा है। मौसम की वजह से काम की रफ्तार धीमी पड़ गई है। ग्राउंड की लेवलिंग का काम किया जा रहा है। इसके बाद टर्फ बिछाया जाएगा। लालपुर स्टेडियम में एस्ट्रोर्टफ मैदान तैयारी नहीं होने की वजह से मौजूद नहीं हो पाने की वजह से पिछले साल भी बीएचयू के एम्प्रीथिएटर में मौजूद हाकी मैदान के एस्ट्रोर्टफ पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस बार भी यहां आयोजन किया जाएगा। बीएचयू के आसपास मौजूद होटलों में टीमों के ठहरने का इंतजाम होगा।

विधि संकाय टीम ने जीता अंतर संकाय क्रिकेट मैच

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बीएचयू के एम्प्रीथिएटर ग्राउंड पर अंतर-संकाय क्रिकेट मैच हुआ। विधि संकाय और दृश्य कला संकाय टीमों के बीच मुकाबला हुआ। विधि संकाय ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। 19 ओवर में 126 रन बनाए। दृश्य कला संकाय की टीम 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 95 रन ही बना पाई। विधि संकाय ने 31 रनों से मैच जीत लिया।

विधि संकाय की टीम 31 रन से विजयी 52



एंफीथियेटर मैदान में दोनों टीमों के खिलाड़ी। स्रोत : स्वयं

वाराणसी। बीएचयू में अंतर संकाय क्रिकेट मैच के पहले दिन टी-20 मुकाबले में विधि संकाय की टीम ने दृश्य कला विभाग को 31 रन से हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया। बीएचयू खेल परिषद की ओर से बृहस्पतिवार को एंफीथियेटर मैदान में मैच का शुभारंभ हुआ। विधि संकाय ने पहले बल्लेबाजी कर 19 ओवर में 126 रन बनाए। दृश्य कला संकाय 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 95 रन ही बना सका। विधि संकाय ने मैच 31 रन से जीत लिया। मुख्य अतिथि, बीएचयू क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान प्रशांत सिंह थे। शुक्रवार को पहला मैच कृषि संकाय बनाम सामाजिक विज्ञान संकाय और दूसरा मैच डीएवी बनाम संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय में होगा। आने वाले मैच के लिए बृहस्पतिवार को खिलाड़ियों ने जमकर अभ्यास किया। संवाद

बीएचयू : विधि संकाय की टीम 31 रन से विजयी

वाराणसी। बीएचयू के एंफीथिएटर मैदान में गुरुवार से विश्वविद्यालय की अंतर संकाय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि बीएचयू की क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एवं विज्जी ट्राफी विजेता प्रशांत सिंह थे।

उद्घाटन मैच विधि संकाय एवं दृश्य संकाय के बीच खेला गया। विधि संकाय ने टॉस जीता और

पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। 20 ओवर के मैच में विधि संकाय की टीम 19 ओवरों में 126 रन पर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दृश्य कला संकाय की टीम 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर केवल 95 रन ही बना पाई। विश्वविद्यालय खेल बोर्ड के महासचिव प्रो. बीसी कापरी ने अतिथि का स्वागत किया।

विधि संकाय की टीम 31 रन से विजयी

वाराणसी। बीएचयू में अंतर संकाय क्रिकेट मैच के पहले दिन टी-20 मुकाबले में विधि संकाय की टीम ने दृश्य कला विभाग को 31 रन से हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया। बीएचयू खेल परिषद की ओर से बृहस्पतिवार को एंफीथिएटर मैदान में मैच का शुभारंभ हुआ। विधि संकाय ने पहले बल्लेबाजी कर 19 ओवर में 126 रन बनाए। दृश्य कला संकाय 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 95 रन ही बना सका। विधि संकाय ने मैच 31 रन से जीत लिया। मुख्य अतिथि, बीएचयू क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान प्रशांत सिंह थे। शुक्रवार को पहला मैच कृषि संकाय बनाम सामाजिक विज्ञान संकाय और दूसरा मैच डीएवी बनाम संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय में होगा।

हृदयाघात से पहले अलर्ट भेजेगा ब्लॉक चेन व मशीन लर्निंग आधारित टूल्स ^{IV}

जागरण संवाददाता, वाराणसी : आइआईटी बीएचयू के कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग के शोधकर्ताओं ने ब्लॉकचेन और मशीन लर्निंग का उपयोग करके व्यक्तियों के लिए आपातकालीन स्वास्थ्य देखभाल टूल्स विकसित किया है। इस तकनीक

में ऐसे सेंसर होंगे जो शरीर से जुड़े होंगे और ब्लूटूथ के माध्यम से मोबाइल से कनेक्ट रहेंगे।

आपातकालीन स्थिति, जैसे उच्च रक्तचाप, दिल का दौरा या अन्य गंभीर स्थितियों में यह सेंसर

मोबाइल को अलर्ट भेजेगा, जिससे स्थिति बिगड़ने से पहले ही जानकारी हो जाएगी। ब्लॉकचेन तकनीक अलर्ट को व्यक्ति के परिवार के सदस्यों और नजदीकी अस्पतालों तक भी पहुंचाने में मदद मिलेगी।

सहायक प्रोफेसर डा. अजय प्रताप ने बताया कि यह तकनीक वायर्डलेस बाडी एरिया नेटवर्क्स का उपयोग करेगी, जिससे वास्तविक समय में स्वास्थ्य की निगरानी होगी। सुरक्षित और विकेंद्रीकृत डेटा विश्लेषण होगा।



डा. अजय प्रताप।

यह संयोजन चिकित्सा आपातकाल की शीघ्र पहचान और उपचार योजनाओं के निर्माण में मदद करेगा। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य देखभाल की दूरी को कम किया जा सकेगा।

यह सीमित विद्युत आपूर्ति वाले क्षेत्रों में भी उपयुक्त है। आयुष्मान भारत जैसे कार्यक्रमों और 2047 तक विकसित भारत की दृष्टि से यह प्रयोग उपयोगी होगा।

देश भर में

टेलीमेडिसिन और दूरस्थ स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। यह शोध 'स्मार्ट हेल्थकेयर सिस्टम के लिए ऊर्जा-कुशल और गोपनीयता-संरक्षण ब्लॉकचेन-आधारित फेडरेटेड लर्निंग' नामक जर्नल में प्रकाशित हुआ है, इस शोध में बौकन सिंह और हिमांशु सिंह ने भी योगदान दिया है। भारतीय पेटेंट भी मिला है। निदेशक प्रो. अभित पात्रा ने कहा कि यह शोध आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता प्रणाली को मजबूत करेगा।

बच्चों की बीमारी पर बीएचयू में जेनेटिक टेस्टिंग सेंटर फॉर जेनेटिक डिसऑर्डर पर चल रहा है शोध, मिलेगी सही जानकारी

वाराणसी। बच्चों में होने वाली आनुवंशिक बीमारियों पर बीएचयू में महत्वपूर्ण शोध कार्य चल रहा है। इसके माध्यम से जेनेटिक बीमारियों के सही कारणों की समय से जानकारी मिल सकेगी।

विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर जेनेटिक डिसऑर्डर के प्रो.परिमल दास के नेतृत्व में रिसर्च के लिए निशुल्क जांच की जा रही है। अब तक देशभर के 1493 जेनेटिक विकार से पीड़ित मरीजों की जांच की गई है।

आनुवंशिक बीमारियां डीएनए में परिवर्तन के कारण होती हैं। इसका पता जेनेटिक टेस्टिंग से लगाया जाता है। इन



बीमारियों के कुछ सामान्य लक्षण जैसे शारीरिक विकास में देरी, जन्मजात देखने और सुनने में परेशानी, शरीर के किसी अंग या चेहरे की बनावट में विकार, मांसपेशियों की कमजोरी, कद का बहुत छोटा या बड़ा होना, न्यूरोलॉजिकल समस्या, व्यवहार में अचानक परिवर्तन आदि देखने को मिलता है।

शोध का नोडल केंद्र, हैदराबाद स्थित डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एवं डायग्नोस्टिक्स केंद्र (सीडीएफडी) है। यह एक उत्कृष्ट अत्याधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान है। रिसर्च प्रमुख सदस्य डॉ. रितु दीक्षित और दीपिका मारू महत्वपूर्ण शोध डेटा एकत्र कर रही हैं। व्यूरो

केंद्रीय विद्यालय बीएचयू में बच्चों के लिए मानसिक कार्यशाला आयोजित

संवाद सहयोगी जागरण, वाराणसी : केंद्रीय विद्यालय बीएचयू में गुरुवार को मानसिक स्वास्थ्य पर बच्चों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रमुख वक्ता डा. पंकज कुमार सिंह (न्यूरो साइकियाट्रिस्ट) रहे। जिसमें दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। डा. पंकज ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, प्रभावित करने वाले कारकों एवं विद्यार्थियों के समक्ष आने वाली परीक्षा संबंधी बाधाएँ, तनाव, चिंता एवं फोबिया को लेकर विशेष चर्चा की। बच्चों को इससे जुझने एवं उसके समाधान पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। कार्यशाला में विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। बोर्ड परीक्षा की तैयारी को लेकर आने वाली कठिनाई के बारे में भी कई प्रश्न पूछे एवं जिसका समाधान भी मिला। विद्यालय के प्राचार्य एके. सिंह के कुशल मार्गदर्शन एवं उप प्राचार्य आशुतोष पांडेय और शैलेन्द्र कुमार के नेतृत्व में कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रथम पाली से कविता पटेल और द्वितीय पाली से नितिन सिंह भी उपस्थित रहे।

बीएचयू के दक्षिण परिसर में लगाएंगे 50 मेगावाट का सोलर संयंत्र

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बीएचयू के राजीव गांधी दक्षिण परिसर, बरकछा मीरजापुर में खाली पड़ी जमीन का उपयोग बिजली उत्पादन के लिए होगा। यह परिसर करीब 2700 एकड़ में फैला है, लेकिन करीब दो हजार एकड़ भूखंड का उपयोग हो सका है। विंध्य पहाड़ी में उपलब्ध सात सौ एकड़ भूखंड के उपयोग के लिए विवि ने नया प्रस्ताव तैयार किया है। करीब 500 एकड़ भूखंड में 25 से 50 मेगावाट क्षमता का सोलर पावर संयंत्र लगाने की तैयारी है। कोशिश है कि इतनी क्षमता का पावर संयंत्र लगने के बाद पूरे विवि की बिजली का बिल शून्य हो जाएगा। बिजली उत्पादन की दिशा में विवि महत्वपूर्ण योगदान कर सकता है। परिसर के आचार्य प्रभारी प्रो. विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि विंध्य पहाड़ी में लंबे समय से जमीन खाली पड़ी है, इसका सही उपयोग होगा तो निश्चित रूप से बीएचयू कैंपस को फायदा मिलेगा। संयंत्र लगाने में आने वाले खर्च का आकलन किया जा रहा है, लेकिन इस परियोजनाओं से कई समस्याओं का निदान हो जाएगा।

येर्सिनिया पेस्टिस का संदिग्ध बीएचयू में भर्ती

प्लेग के लिए जिम्मेदार बैक्टीरिया से संक्रमित मिले चोलापुर के ढांका गांव के बुजुर्ग

जागरण संवाददाता, वाराणसी : प्लेग के लिए जिम्मेदार येर्सिनिया पेस्टिस (वाई पेस्टिस) बैक्टीरियल संक्रमण के लक्षणों से युक्त मरीज मिलने से स्वास्थ्य विभाग सकते में है। चोलापुर ब्लॉक के ढांका गांव निवासी 85 वर्षीय पूर्व प्रधान दीनानाथ पांडेय का बीएचयू के स्पेशल वार्ड में इलाज चल रहा है। वाई पेस्टिस से संक्रमित होने के संदेह में रक्त के नमूने को जांच के लिए माइक्रोबायोलॉजी विभाग भेजा गया है। दीनानाथ पांडेय के पुत्र भोले ने बताया कि रिपोर्ट दो दिनों में आएगी। उधर, स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गुरुवार को ऐहतियातन ढांका गांव में दीनानाथ के घर के आसपास और पूरे गांव में सफाई व छिड़काव कराया।

दीनानाथ को लंबे समय से

जांच के लिए नमूना भेजा गया
माइक्रोबायोलॉजी विभाग, दो दिनों में आएगी रिपोर्ट

बुखार, पेट दर्द के चलते दो माह पूर्व बीएचयू अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

19 दिसंबर को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। घर आने पर तबीयत फिर बिगड़ गई और उल्टी-दस्त, बुखार आदि के कारण 29 दिसंबर को फिर बीएचयू ले जाया गया। स्थिति गंभीर होने पर आइसीयू में भर्ती किया गया। इस बीच स्वजन ने घर रहते निजी पैथालॉजी में कराई जांच रिपोर्ट दिखाई तो वाई पेस्टिस के संक्रमण का पता चला। डाक्टरों ने बुधवार को रक्त का नमूना माइक्रोबायोलॉजी विभाग भेजा

स्वास्थ्य विभाग सकते में, घर के आसपास सहित पूरे गांव में दवा का छिड़काव

और आइसीयू से निकाल कर विशेष वार्ड में इलाज शुरू किया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को भी इसकी जानकारी दी गई। इसके बाद जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में आ गया। सीएमओ विभागीय चोलापुर सीएचसी अधीक्षक, डाक्टरों व कर्मचारियों के साथ ढांका गांव पहुंचे। जिला पंचायत विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की टीम के साथ पूर्व ग्राम प्रधान के घर जाकर स्थिति को जाना-समझा। घर के आसपास के साथ ही गांव में सफाई की गई।

दीनानाथ पांडेय डायबिटीज के मरीज हैं। चार साल से तबीयत खराब रहती है। घर वालों द्वारा निजी लेब में कराई जांच में वाई पेस्टिस बैक्टीरिया का संक्रमण बताया गया है। इसके केस भारत में न के बराबर हैं। ऐसे में रिपोर्ट अविश्वसनीय प्रतीत होती है। पुष्टि के लिए बीएचयू जांच कर रहा है।

-डा. आरबी यादव, अधीक्षक, चोलापुर सीएचसी

वाई पेस्टिस संक्रमण की पुष्टि नहीं हो सकी है, फिर भी संदिग्ध मान कर सावधानी बरती जा रही है। ग्रामीणों को परेशान होने की जरूरत नहीं, लेकिन किसी तरह की समस्या होने पर तुरंत स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करने को कहा गया है।

-डा. संदीप चौधरी, सीएमओ।

नए वायरस से इन्कार, लेकिन मरीज के घर पहुंचे डीएम-सीएमओ बीएचयू अस्पताल के पुराने आईसीयू में आइसोलेट कर किया जा रहा इलाज ³⁷

माई सिटी रिपोर्टर

चौबेपुर/वाराणसी। यूपी समेत देश के अन्य राज्यों में नए वायरस एचएमपी के बढ़ते खतरे को लेकर हर कोई अलर्ट हो गया है। इस बीच बृहस्पतिवार की दोपहर में चौबेपुर के ढाका गांव में डीएम-सीएमओ सहित अन्य अधिकारी बीएचयू अस्पताल में भर्ती पूर्व प्रधान के घर पहुंचे।

पता चला कि नए वायरस एचएमपी जैसे लक्षण की आहट पर टीम गांव आई थी। इस दौरान मरीज के घर के आसपास सफाई करवाई गई और सतर्कता बरतने को कहा गया। इधर सीएमओ ने संबंधित मरीज के घर जाने की पुष्टि तो की है लेकिन किसी तरह के लक्षण वाली बात से इन्कार किया है।

चौबेपुर क्षेत्र के ढाका गांव के पूर्व प्रधान दीनानाथ पांडेय (75) का 4 दिसंबर से बीएचयू में इलाज चल रहा है। वह इस समय आईसीयू में भर्ती हैं। बृहस्पतिवार की



गांव में पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम। संवाद

दोपहर में करीब एक बजे अचानक गांव में कई गाड़ियां आकर रुकीं। पता चला कि सीएमओ डॉ. संदीप चौधरी के साथ ही सीएचसी चोलापुर के अधीक्षक, पंचायत विभाग से डीपीआरओ सहित अन्य अधिकारी आए हैं, कुछ ही देर में जिलाधिकारी भी गांव में आएंगे। हालांकि मरीज के घर के ज्यादातर सदस्य बीएचयू में ही मौजूद थे। घर से लोगों से अधिकारियों ने जानकारी ली। कुछ देर बाद

सीएमओ ऑफिस से आया फोन

पूर्व प्रधान दीनानाथ पांडेय के बेटे अनूप पांडेय ने बताया कि पिताजी को 4 दिसंबर को बीएचयू अस्पताल लेकर गए और और मेडिसिन विभाग में भर्ती कराया। 18 दिसंबर को बीएचयू से घर वापस आ गए। इसके बाद 28 दिसंबर को फिर तबीयत बिगड़ गई। दुबारा फिर संबंधित डॉक्टर के पास गए तो उन्होंने आईसीयू में भर्ती किया है। सीएमओ ऑफिस से फोन आया, जिसमें टीम के घर जाने की जानकारी दी गई। बताया गया कि जिस तरह से एचएमपी वायरस को लेकर अलर्ट किया जा रहा है, जागरूकता के लिहाज से टीम जाने वाली है। पहले आईसीयू में सामान्य मरीजों के साथ पिताजी को रखकर इलाज किया जा रहा था।



बीएचयू आईसीयू में भर्ती एक मरीज के गांव में पहुंचकर वहां लोगों की सेहत की जानकारी ली गई। आसपास के लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने को कहा गया। फिलहाल एचएमपी वायरस जैसे किसी लक्षण जैसी कोई बात नहीं है।-डॉ. संदीप चौधरी, सीएमओ

जिलाधिकारी एस राजलिंगम भी पहुंचे और उन्होंने भी बीमार मरीज के बारे में जानकारी ली। साथ ही लोगों को सेहत के प्रति सतर्क रहने को कहा गया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग, पंचायत विभाग के अधिकारी, जिला

कृषि रक्षा अधिकारी बृजेश कुमार विश्वकर्मा, देवमणि त्रिपाठी, बीडीओ शिवनारायण सिंह, चोलापुर, एडीओ पंचायत, पंचायत सचिव अमित वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

एचएमपीवी मरीज मिलने की आशंका में ढाका गांव पहुंचा प्रशासनिक अमला

चौबेपुर/वाराणसी (एसएनबी)। क्षेत्र के ढाका गांव में एचएमपीवी का मरीज मिलने की आशंका में बृहस्पतिवार को आनन फानन में प्रशासनिक अमला ढाका गांव में पहुंच गया। जानकारी के अनुसार ढाका गांव के पूर्व ग्राम प्रधान दीनानाथ पाण्डेय का स्वास्थ्य काफी दिनों से खराब चल रहा

डीएम ने मातहतों को दिये अलर्ट रहने के निर्देश

डीपीआरओ आदर्श भी अपने मातहतों संग पहुंचे। दोपहर लगभग एक बजे तक सम्बंधित प्रशासनिक अमला पूर्व ग्राम प्रधान के घर डटा रहा। हालांकि पूर्व ग्राम प्रधान व उनके परिजन बीएचयू में ही हैं। जैसे ही अधिकारी ढाका गांव से बाहर निकले वैसे ही डीएम के आने की सूचना मिली। सूचना पाकर प्रशासनिक अमला पुनः ढाका पहुंच गया।

सीएमओ संदीप चौधरी ने बताया कि जानकारी मिली है कि मरीज में एचएमपीवी के लक्षण मिले हैं लेकिन अभी एचएमपीवी की पुष्टि नहीं हो सकी है। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग, पंचायत विभाग के अधिकारी, जिला कृषि रक्षा अधिकारी वृजेश कुमार विश्वकर्मा, देवगणि त्रिपाठी,



है। उन्हें बीएचयू अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच बृहस्पतिवार को बीएचयू से ही जानकारी मिली कि श्री पाण्डेय को एचएमपीवी के जैसे लक्षण दिखायी दे रहे हैं। सूचना पाकर सम्बंधित महकमे के हाथ पांव फूलने लगे। आनन फानन में जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप चौधरी अपने मातहतों के साथ ढाका गांव पहुंच गये। सीएचसी चोलापुर के अधीक्षक व स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची। पंचायत विभाग से

बीडीओ शिवनारायण सिंह, चोलापुर, एडीओ पंचायत, पंचायत सचिव अमित वर्मा, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विनोद निषाद आदि उपस्थित रहे।

दिनभर चला साफ-सफाई का दौर : उच्चाधिकारियों के दौरे के मद्देनजर ढाका गांव में दर्जनों सफाईकर्मियों की टीम लगा दी गयी जो मुख्य रोड से लेकर पूर्व ग्राम प्रधान के घर तक दिन भर साफ-सफाई में जुटे रहे।

विभागाध्यक्ष-प्रोफेसर ने की एक दूसरे की शिकायत

वाराणसी। आईएमएस बीएचयू में आयुर्वेद संकाय के रसशास्त्र विभाग में 34 विभागाध्यक्ष ने अपने ही विभाग के दो प्रोफेसर्स की शिकायत बीएचयू कुलपति, महिला आयोग से कर जांच की मांग की है। इस मामले में 17 जनवरी को एलडी गेस्ट हाउस में विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति ने विभागाध्यक्ष प्रो. नम्रता जोशी को शिकायतों से जुड़े साक्ष्य लेकर पक्ष रखने को बुलाया है। इस बीच विभाग के प्रो. आनंद चौधरी ने महिला आयोग को एक शिकायत कर विभागाध्यक्ष पर अधिकांश विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के उत्पीड़न का आरोप लगाया है। प्रो. चौधरी ने शिकायत की जानकारी विश्वविद्यालय प्रशासन को भी दी है। बताया कि विभागाध्यक्ष की ओर से जानबूझकर शिक्षकों, छात्रों सहित अन्य लोगों को परेशान किया जा रहा है। ब्यूरो

प्रो. आनंद ने महिला आयोग को भेजा पत्र

वाराणसी। बीएचयू के आयुर्वेद संकाय के रस शास्त्र एवं भेषज्य कल्पना विभाग के प्रो. आनंद चौधरी ने उनपर लगे आरोपों के विरोध में महिला आयोग का दरवाजा खटखटाया है।

विभाग की अध्यक्ष डॉ. नम्रता जोशी ने प्रो. आनंद चौधरी सहित दो प्रोफेसर्स पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए महिला आयोग से शिकायत की है। इस मामले में प्रो. आनंद ने भी पत्र भेजकर महिला आयोग के समक्ष अपना पक्ष रखा। कहा कि उनपर लगाए गए आरोप निराधार हैं। साथ ही प्रो. नम्रता जोशी पर आरोप लगाया कि वह शोध छात्राओं को प्रताड़ित कर रही हैं। उन्होंने छात्राओं का साथ दिया। इसी रंजिश में उनकी शिकायत की गई है। वहीं, प्रो. जोशी प्रो. आनंद के आरोपों को निराधार बताया।

विभागाध्यक्षके खिलाफ प्रोफेसर आनंद चौधरीने महिला आयोगको भेजा पत्र बीएचयू आयुर्वेद संकाय के रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग में शोध छात्रों, शिक्षकों² एवं कर्मचारियों के मानसिक उत्पीड़न और सामाजिक भेदभाव का लगाया आरोप

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय चिकित्सा विज्ञान संस्थान के आयुर्वेद संकाय में रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर आनंद चौधरी ने वर्तमान विभागाध्यक्ष के खिलाफ पिछले छः माह के कार्यकाल में अधिकांश महिला शोध छात्राओं और महिला पी जी स्कॉलर्स के मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। प्रोफेसर चौधरी ने इस संबंध में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष को पत्र के जरिए शिकायत दर्ज कराते हुए काररवाई की गुहार लगायी है। उन्होंने पत्र के जरिए बताया कि विभागाध्यक्ष प्रोफेसर नम्रता जोशी ने कार्य स्थल पर विभाग के अधिकांश विद्यार्थी, कर्मचारी (महिला और पुरुष दोनों) और शिक्षकों का मानसिक उत्पीड़न और सामाजिक भेदभाव किया। साथ ही पिछले नौ वर्ष से बात बात पर 'महिला आयोग' में

शिकायत की धमकी देती रहती है। महिला शोध छात्राओं और महिला पी जी स्कॉलर्स



का मानसिक उत्पीड़न कर रहे हैं। विभाग की दो शोध छात्राओं की पी एच डी थीसिस

जमा न हो सके इसके लिए उन्होंने तमाम बाधाएं डाली। हालांकि विश्वविद्यालय ने अपने नियमों के अनुरूप थीसिस जमा करा दी। प्रोफेसर चौधरी ने कहा कि विभागीय शोध समिति के सदस्य के रूप में मैंने इन दोनों शोध छात्राओं का नियमानुसार साथ दिया। ऐसे में विभागाध्यक्ष के अहम को ठेस लगा। उन्होंने महिला आयोग के समक्ष मेरे खिलाफ वाद प्रस्तुत किया है। विभागाध्यक्ष ने हम सभी को इतना आतंकित और प्रताड़ित कर दिया है कि हम सभी अब अपने शैक्षणिक, प्रशासनिक और सामाजिक मान मर्यादा की रक्षा के लिए महिला आयोग की शरण में हैं। उम्मीद है कि आयोग हमारे हितों के सन्दर्भ को संज्ञान में लेगा। प्रोफेसर चौधरी ने आयोग को भेजे गये पत्र की प्रतिलिपि रजिस्ट्रार, संस्थान के निदेशक एवं संकाय प्रमुख को भी प्रेषित की है।

परीक्षा नियंता से मिले छात्र, उठाई समस्याएं

वाराणसी। बीएचयू में सीयूईटी पीजी में दाखिले के लिए आवेदन करने वाले छात्रों को कोर्स का चयन करते समय बीएचयू का विकल्प नहीं दिखाई दे रहा है। बृहस्पतिवार को छात्रों ने परीक्षा नियंता से मिलकर अपनी समस्याएं बताई और जल्द समाधान करवाने को कहा। परीक्षा नियंता प्रो. सुष्मा घिल्लियाल से बातचीत में छात्रों ने बताया कि सीयूईटी पीजी में कोर्स चयन के समय बीएचयू का विकल्प न दिखाई देने से परेशानी हो रही है। शोध प्रवेश नियमावली को लेकर भी समस्याएं हो रही हैं। यह भी मांग की कि रेट श्रेणी में पात्र अभ्यर्थियों को अवसर दिया जाना चाहिए। जून 2024 के परसेंटाइल स्कोर का 50 प्रतिशत और साक्षात्कार के 50 अंक जोड़कर अंतिम चयन सूची जारी करने की जरूरत है। व्यरो

54

एबीवीपी ने बीएचयू परीक्षा नियंता कार्यालय को घेरा, सौंपा ज्ञापन

वाराणसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बीएचयू इकाई ने गुरुवार को परीक्षा नियंता कार्यालय का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों की मांग थी कि शोध प्रवेश नियमावली में अनियमितता व सीयूईटी पीजी प्रवेश में आ रही समस्याओं का तुरंत निस्तारण हो। आरईटी श्रेणी में सभी पात्र अभ्यर्थियों को अवसर प्रदान करने, जून 2024 के परसेंटाइल स्कोर का 50 प्रतिशत और साक्षात्कार के 50 अंकों को जोड़कर अंतिम चयन सूची जारी करने, सीयूईटी पीजी में आवेदन करने वाले छात्रों को कोर्स चयन करते समय बीएचयू का विकल्प न दिखाई देने और छात्रों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय न होने तक आवेदन की तिथि बढ़ाने की मांग की। छात्रों ने विवि प्रशासन के अडिगल रवैये पर नाराजगी व्यक्त करते हुए नारेबाजी की। इस अवसर पर अभय प्रताप सिंह, प्रशांत राय, अदिति मौर्या, सर्वेश सिंह, ओंकार, आशीवीदम, उमेद, अभिषेक, यशवर्धन, रुक्मिणी, अदुस्य, पीयूष, व्योम, प्रभाकर, केशरी, गौरव, गजेंद्र, धीरेन्द्र, वारिस, अश्विनी आदि मौजूद थे।

2

बीएचयू में पीएचडी नियमावली की दोबारा जांच करेगी कमेटी

जासं, वाराणसी : बीएचयू में छह दिनों तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद पीएचडी नियमावली का फिर से रिव्यू करने का निर्णय लिया गया है। विवि प्रशासन की तरफ से नई कमेटी गठित करने की तैयारी है। यह कमेटी छात्रों के मांगों पर विचार करेगी कि वह पूरी होने के लायक है अथवा नहीं। इसके पहले भी एक कमेटी की रिपोर्ट के बाद पीएचडी बुलेटिन जारी हुआ था, इसके बाद छात्र विरोध में उतर आए। बुधवार को रेक्टर व प्रभारी कुलपति प्रो. संजय कुमार ने मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया था।

प्रमुख मांगें • साक्षात्कार के लिए एक सीट पर 10 की जगह तीनो श्रेणियों में उत्तीर्ण सभी अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में शामिल होने का मौका दिया जाए। • दिसम्बर 2023 में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को भी प्रवेश प्रक्रिया में शामिल करें क्योंकि उस सत्र में परीक्षा UGC NET की परीक्षा पास अभ्यर्थियों को प्रवेश प्रक्रिया में एक भी अवसर प्राप्त नहीं हुआ है उन्हें इस प्रवेश प्रक्रिया में जरूर से शामिल किया जाए।

शोध प्रवेश नियमावली के विरोध में किया प्रदर्शन

वाराणसी : बीएचयू में शोध प्रवेश नियमावली के विरोध में एबीवीपी के पदाधिकारियों ने परीक्षा नियंता कार्यालय पर जमकर प्रदर्शन किया। परीक्षा नियंता ने मांगों पर पूरा करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। सीयूईटी पीजी की समस्या का समाधान रात तक करने की बात कही। प्रांत मंत्री अभय प्रताप सिंह व प्रशांत राय ने कहा कि शोध प्रवेश संबंधी नियमावली छत्र विरोधी है। मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता है तो आंदोलन किया जाएगा।

शोध नियमावली समेत अन्य मुद्दों पर प्रदर्शन



बीएचयू में शोध प्रवेश नियमावली संशोधन सहित छात्र समस्याओं के समाधान के लिए गुरुवार को परीक्षा नियंता प्रो. सुषमा चिल्डियाल को ज्ञापन सौंपते छात्र।

विरोध

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू में शोध प्रवेश नियमावली सहित अन्य छात्र समस्याओं पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्यों ने गुरुवार को परीक्षा नियंता कार्यालय पर प्रदर्शन किया। छात्रों ने परीक्षा नियंता और छात्र अधिष्ठाता के खिलाफ खूब नारे लगाए।

तय कार्यक्रम के अनुसार गुरुवार की दोपहर एबीवीपी की बीएचयू इकाई के सदस्य एकजुट होकर परीक्षा नियंता कार्यालय पहुंचे और नारेबाजी की। इस दौरान उन्होंने परीक्षा नियंता कार्यालय में घुसने का प्रयास किया मगर सुरक्षाकर्मियों ने सभी गेट बंद कर दिए। प्रदर्शन और नारेबाजी कर रहे छात्रों ने रेट श्रेणी में सभी पात्र

- बीएचयू में एबीवीपी के सदस्यों ने जमकर नारेबाजी की
- परीक्षा नियंता दफ्तर में घुसने का किया प्रयास, सुरक्षाकर्मियों ने रोका

अभ्यर्थियों को अवसर देने, जून 2024 के परसेंटाइल स्कोर का 50 प्रतिशत और साक्षात्कार के 50 अंकों को जोड़कर अंतिम चयन सूची जारी करने, शोध प्रवेश आवेदन की तिथि बढ़ाने सहित अन्य मांगें रखीं।

परीक्षा नियंता प्रो. सुषमा चिल्डियाल ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों को शांत कराया और उनकी सभी मांगें सुनने के साथ ही ज्ञापन लिया। इस दौरान अभय प्रताप सिंह, प्रशांत राय, भास्करादित्य त्रिपाठी, अदिति मौर्या, सर्वेश रहे।

नेट पास अभ्यर्थियों को पीएचडी में मिले साक्षात्कार का मौका

वाराणसी। बीएचयू में नई पीएचडी नियमावली और निलंबन वापसी को लेकर कार्यवाहक कुलपति और छात्रों के बीच वार्ता हुई। छात्रों ने मांग रखी है कि एक सीट पर 10 की जगह नेट परीक्षा में उत्तीर्ण सभी अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाए। दिसंबर 2023 में भी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को मौका दिया जाए। बीएचयू के केन्द्रीय कार्यालय में कार्यवाहक कुलपति प्रो. संजय कुमार से छात्रों ने मुलाकात की। मांगों पर विचार कर उसे अमल में लाने के लिए सात दिन का समय लिया है। वार्ता में शामिल कुलसचिव, परीक्षा नियंता, छात्र अधिष्ठाता और चीफ प्रॉक्टर ने कहा कि छात्रों की समस्या का सकारात्मक हल निकाला जाएगा। छात्रों के निलंबन पर भी गंभीरता से चर्चा हुई। बैठक के बाद छात्रों ने छात्र अधिष्ठाता प्रो. एके नेमा को ज्ञापन देकर धरना समाप्त करने की घोषणा की। कहा कि यदि सात दिन में मांगें नहीं मानी गईं तो फिर से आंदोलन को बाध्य होंगे।

सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल से नहीं मिले कार्यवाहक कुलपति

जागरण संवादादाता, वाराणसी: बीएचयू में मनुस्मृति प्रकरण में छात्र-छात्राओं की रिहाई के बाद, फर्जी मुकदमों की वापसी और बीएचयू प्रशासन व यूपी पुलिस के दमनात्मक रवैये को लेकर आंदोलन जारी है।

आंदोलन-अभियान के तहत गुरुवार को राजनीतिक-नागरिक-छात्र प्रतिनिधिमंडल छात्रों पर लादे गए 'फर्जी मुकदमे व बीएचयू प्रशासन दमनात्मक कार्यवाही को लेकर बीएचयू रेक्टर (कार्यवाहक कुलपति) से वार्ता करने सेंट्रल ऑफिस पहुंचे। लेकिन गेट पर ही सुरक्षाकर्मियों द्वारा रोक दिया गया। प्रतिनिधि मंडल ने अपना रोष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन की तानाशाही की हद है। पिछले दिनों जब पुलिस आयुक्त से मिलने प्रतिनिधि मंडल पहुंचा तो नहीं मिले। लिहाजा कार्यालय दीवार पर ज्ञापन चस्पा कर दिया गया था। हर जगह पद पर बैठे लोग लोकतंत्र का गला घोट रहे हैं। छात्र अधिष्ठाता को ज्ञापन सौंपते हुए प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि हम हतोत्साहित नहीं होने वाले हैं।

- फर्जी मुकदमों की वापसी समेत अन्य मांगों को लेकर पहुंचा था प्रतिनिधिमंडल
- नाराजगी, अब 20 जनवरी को बैठक कर आंदोलन की तय करेंगे रूपरेखा

अब 20 जनवरी बैठक कर आंदोलन की दिशा तय की जाएगी। प्रतिनिधि मंडल में कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे, जिलाध्यक्ष राजेश्वर पटेल, प्रवक्ता संजीव सिंह, फसाहत हुसैन बाबू, कम्युनिस्ट फ्रंट के मनीष शर्मा, समाजवादी जनपरिषद के राजेंद्र चौधरी भगतसिंह आंबेडकर विचार मंच के एसपी राय, डा. निराला, रामजनम, प्रवाल सिंह (प्रीयूसीएल), सिद्धार्थ केसरी, अंजनी, विनय, मुकुल व ज्ञान प्रकाश, संदीप और आदर्श (भगत सिंह स्टूडेंट्स मोर्चा), अनुपम, राम दुलार सिंह (भाकपा माले), रोशन (आइसा), राहुल लकी एवं आयुष आदि शामिल रहें। सभी ने एकमत से आंदोलन की हुंकार भरी।

प्रतिनिधिमंडल से नहीं मिले वीसी

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू में मनुस्मृति प्रकरण में छात्र-छात्राओं पर कार्रवाई, फर्जी मुकदमों की वापसी और बीएचयू प्रशासन और पुलिस के दमनात्मक रवैये के खिलाफ एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को बीएचयू के कार्यवाहक कुलपति प्रो. संजय कुमार से मिलने पहुंचा। कुलपति के नहीं मिलने पर नाराज पदाधिकारियों ने छात्र अधिष्ठाता को ज्ञापन सौंपा। घोषणा की कि 20 जनवरी को बैठक कर आंदोलन की रूपरेखा तय करेंगे।

कांग्रेस महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र



मनुस्मृति प्रकरण में बीएचयू के केंद्रीय कार्यालय पहुंचे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने कार्यवाहक कुलपति के न मिलने पर जताई नाराजगी।

चौबे ने इस रवैये की निंदा की। प्रतिनिधि मंडल में कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश्वर पटेल, प्रवक्ता संजीव सिंह, फ़साहत

हुसैन बाबू, राजेंद्र चौधरी, एसपी राय, डॉ निराला, रामजनम, प्रवाल सिंह, सचिव सिद्धार्थ केसरी आदि रहे।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से नहीं मिले बीएचयू के कार्यवाहक कुलपति

प्रतिनिधिमंडल आक्रोशित, लोकतंत्र व संविधान बचाने के लिए हर संघर्ष जारी रखने का निर्णय

जनसंदेश न्यूज

किया इनकार

वाराणसी। बीएचयू में मनुस्मृति प्रकरण में छात्र-छात्राओं की रिहाई के बाद, फर्जी मुकदमों की वापसी और बीएचयू प्रशासन व यूपी पुलिस के दमनात्मक रवैये के सवाल पर जारी आंदोलन-अभियान के तहत गुरुवार को एक राजनीतिक-नागरिक-छात्र प्रतिनिधि मंडल कार्यवाहक कुलपति से मिलने सेंट्रल ऑफिस पहुंचा, कार्यवाहक कुलपति प्रतिनिधिमंडल से नहीं मिले।

छात्र छात्राओं पर लादे गए फर्जी मुकदमे और बीएचयू प्रशासन की किसी भी छात्र-प्रदर्शन पर दमनात्मक कार्रवाई को लेकर ही ये लोग वार्ता करने पहुंचे थे। पूर्व सूचना देने के बावजूद जब प्रतिनिधि मंडल सेंट्रल ऑफिस पहुंचा तो गेट पर ही सुरक्षाकर्मियों द्वारा रोक लिया गया और रेक्टर से मिलने से मना कर दिया गया। प्रतिनिधि मंडल ने अपना रोष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन की तानाशाही की

मनुस्मृति प्रकरण में फर्जी मुकदमे की वापसी को लेकर 20 जनवरी को बैठक कर लेंगे बड़े आंदोलन का फैसला



हद हो चुकी है। पिछले दिनों जब पुलिस आयुक्त से मिलने प्रतिनिधिमंडल पहुंचा तो वहां तीन घंटे इंतजार के बाद भी पुलिस आयुक्त नहीं मिले। वहां अपने मांग-पत्र को ऑफिस की दीवार पर चस्पा कर दिया गया था। वैसा ही रुख रवैया बीएचयू प्रशासन का भी है। रेक्टर से मिलने की पूर्व में सूचना देने के बावजूद मिलने नहीं

दिया गया। आखिर प्रशासन को मिलने में क्या दिक्कत आ रही। उसका तो काम ही है कि जनता की बात सुने।

हर जगह पद पर बैठे लोग लोकतंत्र का गला घोट रहे हैं। अपने पद को सत्ता की खुशामद में लगा दिया गया है। ऊपर से आ रहे आदेश का सिर्फ पालन किया जा रहा है। छात्र अधिष्ठाता को ज़ापन सौंपते हुए

प्रतिनिधि मंडल ने यह कहा कि हम हतोत्साहित नहीं होने वाले हैं। जल्द ही हम सड़कों पर उतरने के लिए कमर कस चुके हैं और 20 जनवरी को बैठक में आंदोलन की दिशा तय की जाएगी। प्रतिनिधि मंडल में कांग्रेस महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे, जिलाध्यक्ष राजेश्वर पटेल, संजीव सिंह, फसाहत हुसैन बाबू, मनीष शर्मा (कम्युनिस्ट फ्रंट), राजेंद्र चौधरी (समाजवादी जनपरिषद), एसपी राय (भगतसिंह आर्बेडकर विचार मंच), डा. निराला (पीएस4), रामजनम (स्वराज आभियान), प्रवाल सिंह (पीयूसीएल), सिद्धार्थ केसरी (यूथ कांग्रेस, प्रदेश सचिव), अंजनी (सपा), विनय (नागरिक समाज), मुकुल व ज्ञान प्रकाश (दिशा छात्र संगठन), संदीप और आदर्श (भगत सिंह स्टूडेंट्स मोर्चा), अनुपम, राम दुलार सिंह (भाकप (माले)), रोशन (आइसा), राहुल लर्क एवं आयुष (समाजवादी छात्र सभा आदि शामिल रहे।

प्रतिनिधिमंडल की बीएचयू रेक्टर से नहीं हो पायी भेंट

वाराणसी। बीएचयू में मनुस्मृति प्रकरण में छात्र-छात्राओं की रिहाई के बाद, फर्जी मुकदमों की वापसी और बीएचयू प्रशासन व यूपी पुलिस के दमनात्मक रवैये के सवाल पर जारी आंदोलन-अभियान के तहत बृहस्पतिवार को राजनीतिक-नागरिक-छात्र प्रतिनिधिमंडल बीएचयू रेक्टर (कार्यवाहक कुलपति) से वार्ता करने सेंट्रल ऑफिस पहुंचा। हालांकि प्रतिनिधिमंडल की रेक्टर से भेंट नहीं हो पायी। सदस्यों ने आरोप लगाया कि पूर्व सूचना देने के बाद जब प्रतिनिधिमंडल सेंट्रल ऑफिस पहुंचा तो गेट पर ही सुरक्षाकर्मियों ने रोक लिया और रेक्टर से मिलने को मना कर दिया। प्रतिनिधि मंडल ने अपना रोष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन की तानाशाही की हद हो चुकी है। पिछले दिनों जब पुलिस आयुक्त से मिलने प्रतिनिधि मंडल पहुंचा तो वहां भी 3 घंटे इंतजार के बाद भी पुलिस आयुक्त नहीं मिले। इसलिए वहां मांग-पत्र को ऑफिस की दीवार पर चस्पा किया गया था। वैसा ही रवैया बीएचयू प्रशासन का भी है। रेक्टर से मिलने की पूर्व में सूचना देने के बावजूद मिलने नहीं दिया गया। छात्र अधिष्ठता को ज्ञापन सौंपते हुए प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि हम हतोत्साहित नहीं होने वाले हैं। सत्ता के इस तानाशाही के खिलाफ हम बड़े आंदोलन का रुख करेंगे। सड़कों पर उतरने के लिए कمر कस चुके हैं और 20 जनवरी की बैठक में आंदोलन की दिशा का फैसला करेंगे।

बीएचयू में छात्रों के खिलाफ दमनात्मक रवैये के खिलाफ आंदोलन जारी

बीएचयू में मनुस्मृति प्रकरण में छात्रों की विह्वलता के बाद, फर्जी मुकदमों की वापसी और बीएचयू प्रशासन एवं यूपी पुलिस के दमनात्मक रवैये के खिलाफ जारी आंदोलन के तहत गुरुवार को एक राजनीतिक-नागरिक-छात्र प्रतिनिधिमंडल ने बीएचयू सेक्रेटर से वार्ता करने के लिए सेंट्रल आफिस का रुख किया।

प्रतिनिधिमंडल ने छात्र-छात्राओं पर लगाये गये फर्जी मुकदमों की वापसी और दमनात्मक कार्रवाई की कड़ी निंदा की। पूर्व सूचना देने के

बावजूद, प्रतिनिधिमंडल को सेंट्रल आफिस के गेट पर ही सुरक्षाकर्मियों ने रोक लिया और सेक्टर से मिलने से मना कर दिया। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन की तानाशाही की आलोचना करते हुए कहा कि लोकतंत्र की आवाज दबाने का यह तरीका गलत है। इससे पहले जब प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस आयुक्त से मिलने का प्रयास किया था, तो तीन घंटे इंतजार के बावजूद उन्हें मुलाकात का अवसर नहीं मिला। प्रतिनिधिमंडल ने छात्र अधिष्ठाता को जापन सौंपते हुए कहा कि वे इस तानाशाही के खिलाफ आगे भी संघर्ष

जारी रखेंगे। उन्होंने बताया कि वे जल्द ही सड़क पर उतरने के लिए तैयार हैं और आगामी २० जनवरी को होने वाली बैठक में आंदोलन की दिशा तय की जायेगी। प्रतिनिधि मंडल में विभिन्न राजनीतिक और समाजिक संघटनों के नेता शामिल थे, जिनमें रामचंद्र चौबे (महानगर अध्यक्ष, कांग्रेस पार्टी), राजेश्वर पटेल (जिला अध्यक्ष, कांग्रेस), संजीव सिंह (प्रवक्ता, कांग्रेस पार्टी), फुसहात हुसैन बाबू, मनोष शर्मा (कम्युनिस्ट फ्रंट), राजेंद्र चौधरी (समाजवादी जनपरिषद), एमपी राय

(भगत सिंह आंदोलक विचार मंच), डक्टर निराला (पीएस-४), रामजनम (स्वराज अभियान), प्रवाल सिंह (पीपूरीसिटी), सिद्धार्थ केसरी (यूथ कांग्रेस प्रदेश सचिव), अंजनी (समाजवादी पार्टी), विनय (नागरिक समाज), मुकुल एवं ज्ञान प्रकाश (दिशा छात्र संघटन), संदीप और आदर्श (भगत सिंह स्टूडेंट्स मोर्चा), अतुष (भाकपा(माले)), रोशन (भाकपा(माले)), लकी, आयुष (समाजवादी छात्र संघ) आदि शामिल थे।



दण्डात्मक रवैये के खिलाफ छात्रों के साथ खड़े कांग्रेसजन।

छाया : आज

बीएचयू में दिहाड़ी मजदूरों के अधिकारों का संरक्षण करें डीएम

एनएचआरसी

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली ने बीएचयू में काम करने वाले दिहाड़ी मजदूरों के मौलिक अधिकारों के संरक्षण के लिए जिलाधिकारी वाराणसी को आदेश दिया है। मामले में इलाहाबाद हाइकोर्ट के अधिवक्ता डॉ. गजेंद्र सिंह यादव ने एनएचआरसी से शिकायत की थी। इसे संज्ञान लेते हुए एनएचआरसी ने जिलाधिकारी को निर्देश देने के साथ आठ सप्ताह में कार्यवाही की रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट की प्रति शिकायतकर्ता को भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

शिकायतकर्ता ने कहा था कि बीएचयू प्रांगण में प्रति वर्ष किसी न किसी इमारत का निर्माण या मरम्मत कार्य चलता रहता है। जिसके लिए यहां बड़ी संख्या में दूरदराज से मजदूर महिलाएं और पुरुष यहां आकर मजदूरी करते हैं। मजदूर अपने परिवार व बच्चों के साथ विश्वविद्यालय कैम्पस में कई महीने या वर्षों तक दिहाड़ी पर कार्य करते और रहते हैं। ऐसे में इन परिवारों के रहने के लिए उचित मानवीय परिस्थितियों की व्यवस्था नहीं है। उनके

■ हाईकोर्ट के अधिवक्ता की अर्जी पर मानवाधिकार आयोग ने दिया निर्देश

■ मजदूरों की बुनियादी सुविधाओं और बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था करें

आवास के नाम पर कुछ टिन शेड की व्यवस्था कर दी जाती है जिनमें न तो स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था होती है, न ही उचित खान-पान की। सर्दी और गर्मी के मौसम में यह टिनशेड रहने लायक नहीं रह जाते। इसके अलावा मजदूरों के बच्चों की न तो शिक्षा की कोई व्यवस्था है, न ही मजदूरों के काम पर जाते समय उनकी देखभाल की। ऐसे में बच्चों की शिक्षा के मौलिक अधिकार व मजदूरों के गरिमापूर्ण जीवन के मौलिक अधिकार का हनन हो रहा है। एनएचआरसी ने जिलाधिकारी वाराणसी को इन दिहाड़ी मजदूरों के मौलिक अधिकारों के संरक्षण के संबंध में आठ सप्ताह में कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। रिपोर्ट तलब करने के साथ ही इसकी प्रतिलिपि शिकायतकर्ता को भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

बीएचयू में मजदूरों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण करें डीएम ⁵⁷

वाराणसी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बीएचयू में काम करने वाले मजदूरों और उनके परिजनों के मौलिक अधिकारों और मानवाधिकारों की सुरक्षा के संबंध में जिलाधिकारी को निर्देश जारी किया है। निर्देश का पालन करने के लिए आठ सप्ताह का समय दिया गया है। यह निर्देश भी दिया है कि कार्रवाई की रिपोर्ट शिकायतकर्ता को भी सौंपी जाए।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता डॉ. गजेंद्र सिंह यादव ने आयोग में शिकायत की थी। शिकायत के अनुसार बीएचयू परिसर में प्रतिवर्ष किसी न किसी इमारत का निर्माण कार्य या मरम्मत का काम चलता रहता है। इसके लिए बीएचयू में

बड़ी संख्या में दूरदराज से महिलाएं और पुरुष आकर मजदूरी करते हैं। ऐसे मजदूर अपने परिवार के साथ बीएचयू कैम्पस में ही कई महीनों तक रहते हैं। यहां मजदूरों के रहने के लिए केवल कुछ टिनशेड की व्यवस्था कर दी जाती है। उनमें न तो पानी की व्यवस्था होती है और न उचित खान-पान की। सर्दियों में टिनशेड में मजदूरों को ठंड लगती है और गर्मी में वह तपिश से जूझते हैं। मजदूरों के बच्चों की शिक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसे में बच्चों की शिक्षा के मौलिक अधिकार और मजदूरों के गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार का हनन हो रहा है। डॉ. गजेंद्र ने मांग की थी कि उनके बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए उचित कार्रवाई की जाए। ब्यूरो

ब्लॉक चेन अलर्ट तकनीक से आपात स्थिति में अस्पताल पहुंचेगी सूचना

आईआईटी बीएचयू के वैज्ञानिकों ने की विकसित, मिला पेटेंट, मशीन लर्निंग से होगा डेटा का विश्लेषण

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में आपातकालीन स्वास्थ्य देखभाल के लिए वैज्ञानिकों ने एक नई तकनीक विकसित की है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई आधारित मशीन लर्निंग से जुड़ी तकनीक से स्वास्थ्य के क्षेत्र में डेटा का सटीक विश्लेषण किया जा सकेगा। इस तकनीक को हाल ही में पेटेंट भी मिला है। आईआईटी बीएचयू के कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग

मोबाइल फोन से जुड़ा रहेगा सेंसर

डॉ. अजय ने बताया कि यह तकनीक ब्लॉक चेन और मशीन लर्निंग का उपयोग कर व्यक्तियों के लिए समय पर आपातकालीन स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करेगी। इस तकनीक में ऐसे सेंसर होते हैं, जो व्यक्ति के शरीर से जुड़े होते हैं और ब्लूटूथ के माध्यम से मोबाइल फोन से जुड़े रहते हैं। किसी भी आपातकालीन स्थिति, जैसे उच्च रक्तचाप, दिल का दौरा या अन्य गंभीर स्थितियों में यह सेंसर मोबाइल फोन को अलर्ट भेजते हैं। इससे मरीज के शरीर में ब्लड प्रेशर, शुगर, खून की जांच की सटीक जानकारी मिलेगी।

विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय प्रताप के निर्देशन में इसे विकसित किया गया है। उनके साथ शोध छात्र मोइरांथेम बीकन सिंह और हिमांशु सिंह भी शामिल हैं। ब्लॉक

चेन तकनीक अलर्ट आपात स्थिति में अलर्ट को मरीज के परिवार के सदस्यों और नजदीकी अस्पतालों तक पहुंचाने में मदद करती है। प्रमुख शोधकर्ता और सहायक

प्रोफेसर डॉ. अजय प्रताप ने बताया कि यह तकनीक वायरलेस बॉडी एरिया नेटवर्क्स (डब्ल्यूबीएनएस) का उपयोग करती है, जो वास्तविक समय में स्वास्थ्य की निगरानी करती है। यह संयोजन चिकित्सा आपातकाल की शीघ्र पहचान और व्यक्तिगत उपचार योजनाओं के निर्माण में मदद करता है।

इससे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य देखभाल की खाई को कम किया जा सकता है। निदेशक प्रो. अमित पात्रा ने डॉ. अजय प्रताप और उनकी टीम को बधाई दी।

स्वास्थ्य की देखभाल में सहायक होगा डिवाइस

वाराणसी, संवाददाता। आईआईटी बीएचयू में कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग के शोधकर्ताओं ने एक नई डिवाइस विकसित की है। जो ब्लॉकचेन और मशीन लर्निंग का उपयोग करके आपातकालीन स्वास्थ्य देखभाल में सहायक होगी। इस तकनीक में ऐसे सेंसर हैं, जो ब्लूटूथ के माध्यम से मोबाइल फोन से जोड़ते हुए व्यक्ति के शरीर से जुड़े होंगे।

किसी भी आपातकालीन स्थिति,



डॉक्टर अजय प्रताप।

जैसे उच्च रक्तचाप, दिल का दौरा या अन्य गंभीर स्थितियों में, यह सेंसर मोबाइल फोन पर अलर्ट भेजगा। इससे

स्थिति बिगड़ने से पहले पीड़ित को अस्पताल पहुंचाया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त, ब्लॉकचेन तकनीक अलर्ट को व्यक्ति के परिवार के सदस्यों और नजदीकी अस्पतालों तक भी पहुंचाने में मदद करेगा है। प्रमुख शोधकर्ता डॉ. अजय प्रताप ने बताया कि यह तकनीक वायर्डलेस बॉडी एरिया नेटवर्क्स का उपयोग करके तैयार की गयी है। जो वास्तविक समय में स्वास्थ्य की निगरानी करेगी।

4

स्वास्थ्य की देखभाल में सहायक होगा डिवाइस 8

वाराणसी, संवाददाता। आईआईटी बीएचयू में कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग के शोधकर्ताओं ने एक नई डिवाइस विकसित की है। जो ब्लॉकचेन और मशीन लर्निंग का उपयोग करके आपातकालीन स्वास्थ्य देखभाल में सहायक होगी। इस तकनीक में ऐसे सेंसर हैं, जो ब्लूटूथ के माध्यम से मोबाइल फोन से जोड़ते हुए व्यक्ति के शरीर से जुड़े होंगे।

किसी भी आपातकालीन स्थिति, जैसे उच्च रक्तचाप, दिल का दौरा या अन्य गंभीर स्थितियों में, यह सेंसर मोबाइल फोन पर अलर्ट भेजगा। इससे स्थिति बिगड़ने से पहले पीड़ित को अस्पताल पहुंचाया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त, ब्लॉकचेन तकनीक अलर्ट को व्यक्ति के परिवार के सदस्यों और नजदीकी अस्पतालों तक भी पहुंचाने



डॉ. अजय प्रताप।

में मदद करेगा है। प्रमुख शोधकर्ता डॉ. अजय प्रताप ने बताया कि यह तकनीक वायर्डलेस बॉडी एरिया नेटवर्क्स का उपयोग करके तैयार की गयी है। जो वास्तविक समय में स्वास्थ्य की निगरानी करेगी। साथ ही ब्लॉकचेन और मशीन लर्निंग के माध्यम से सुरक्षित और विकेंद्रीकृत डेटा का विश्लेषण किया जा सकेगा। निदेशक, प्रो. अमित पात्रा ने डॉ. अजय प्रताप और उनकी टीम को बधाई दी।

40 झांकियों में दिखेगी बीएचयू के अतीत वर्तमान की झलक, आईआईटी भी शामिल

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। बीएचयू में वसंत पंचमी पर निकलने वाली झांकियों में इस बार अतीत-वर्तमान की झलक देखने को मिलेगी। बीएचयू के स्थापना से लेकर अब तक की विकास यात्रा पर 40 से अधिक झांकियां निकाली जाएंगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस साल की थीम प्रतीचि-प्राची का सुंदर मेल पर मुहर लगा दी है। ऐसे में लोगों को इस बार का मनोरम दृश्य दिखेगा। विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस हर साल वसंत पंचमी पर मनाया जाता है।

स्थापना स्थल पर पूजन के बाद विश्वविद्यालय के सभी संस्थानों, संकायों, विभागों, स्कूल, दक्षिणी परिसर के साथ ही



बीएचयू के स्थापना दिवस पर निकली झांकी में शामिल छात्राएं।
फाइल फोटो

आईआईटी बीएचयू की टीम की ओर से आकर्षक झांकियां निकाली जाती हैं। इस बार यह आयोजन तीन फरवरी को वसंत पंचमी के दिन होना है।

छात्र कल्याण अधिष्ठाता की मौजूदगी में हाल ही में हुई एक बैठक में झांकी की थीम फाइनल की गई है। इसके साथ ही संकायों

में कोऑर्डिनेटर भी नियुक्त कर दिए गए हैं। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एके नेमा ने बताया कि प्रतीचि-प्राची का सुंदर मेल विषय पर झांकियां निकाली जाएंगी। इसमें अतीत के झरोखों से लेकर वर्तमान समय की विकास सहित अनन्य विषयों पर आधारित झांकियां तैयार कराई जाएंगी।

द कल्चरल हेरिटेज की थीम पर होगी काशी यात्रा



तैयारी

आईआईटी, बीएचयू में तीन दिन में आयोजित होंगे 60 से ज्यादा इवेंट्स, थीम और संदेश जारी

वाराणसी। आईआईटी-बीएचयू के सोशियो-कल्चरल इवेंट काशी यात्रा-55 की थीम जारी कर दी गई है। संस्कृति प्रवाह: द कल्चरल हेरिटेज की थीम पर काशी यात्रा के 60 से ज्यादा कार्यक्रम होंगे। काशी यात्रा की टीम ने अपने इंस्टाग्राम के ऑफिशियल एकाउंट से थीम और संदेश दोनों जारी किए हैं।

आईआईटी-बीएचयू के छात्र और छात्राओं ने कहा कि संस्कृति प्रवाह सिर्फ अपने इतिहास की ही गवाही नहीं देगा, बल्कि भविष्य को तय करने का एक दृष्टिकोण भी देगा। ये एक ऐसी आध्यात्मिक यात्रा है, जो कि संस्कृति, मानवता और दिव्यता के बीच एक लौकिक संबंधों को जोड़ेगा।

काशीयात्रा का आयोजन सात से नौ मार्च के बीच पूरे आईआईटी-बीएचयू कैम्पस में होगा। यह आयोजन उत्तर भारत के सबसे बड़े कल्चरल इवेंट के तौर पर जाना जाता है। पिछले साल अक्टूबर में एडीवी ग्राउंड पर 2025 काशीयात्रा के लिए बॉलीवुड नाइट की थीम लांचिंग हुई थी। इसमें साहित्य, म्यूजिक और कलाकारों का तीन दिनों तक समागम होता है। कुल 360 से ज्यादा कॉलेज प्रतिभागी और 70 हजार से ज्यादा दर्शक और छात्र-छात्राएं जटते हैं।